दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर देहात,शुक्रवार,25,नवंबर, 2

सीएसए में सरदार पटेल छात्रावास का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

ऐतिहासिक कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन करना गौरव की बात- आनंदी बेन पटेल

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा

नवनिर्मित लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास का लोकार्पण उत्तर प्रदेश की कुलाधिपति राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा मंत्री प्राविधिक शिक्षा आशीष पटेल, विधायिका कल्याणपुर नीलिमा कटियार, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय डॉ डीआर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल का स्वागत कुलपति डॉ डीआर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों ने इस ऐतिहासिक कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है और अपना कैरियर कृषि में बनाएं तथा भविष्य में स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर भी बनें। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के शोधों का ही परिणाम है कि देश उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। क्योंकि पहले अनाज आयात होता था आज निर्यात हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय व शोध संस्थानों के वैज्ञानिक मिलकर जैविक खेती को बढावा दे रहे हैं जो एक सुखद पहलू है। क्योंकि रसायनों के अधिकाधिक प्रयोग से बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसान मिश्रित खेती कर अधिक लाभ उठाएं। कृषि वैज्ञानिक नित नए–नए बीजों का शोध कर रहे हैं। साथ ही किसानों को प्रशिक्षित कर उन्हे शहद उत्पादन एवं अन्य व्यवसाय मत्स्य पालन, डेयरी उत्पादन, बकरी पालन आदि कृषिआधारित व्यवसायों के प्रति प्रेरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं भी गेहूं से दलिया आदि में मूल्य संवर्द्धन कर आत्मनिर्भर बन रही है। किसान भाई फसल अवशेषों में आग बिल्कुल भी न लगाएं बल्कि उससे खाद बनाकर मिट्टी में मिलाए। जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी औररासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने छात्र–छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपनी पढाई के साथ–साथ महापुरुषों की जीवनी अवश्य पढ़ें।जिससे उनमे और अधिक देश प्रेम की भावना जागृत होगी।उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वे पांच प्रकार के व्यंजन स्वयं तैयार कर खाए एवं दूसरों को भी खिलाएं।जिससे स्वास्थ्य मे लाभकारी परिणाम मिलेंगे। डॉ सिंह ने अपने संबोधन मे कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2022–23 की प्रवेश प्रक्रिया माह सितंबर– अक्टूबर में संपन्न हो चुकी है तथा नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है।उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विभिन्न पहलुओं पर 10 देशों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) कर सफलता हासिल कर रहा है तथा इस विश्वविद्यालय के छात्रों का दोहा एवं कतर आदि देशों में प्लेसमेंट हुआ है तथा विश्वविद्यालय शिक्षा,शोध एवं प्रसार में नित नई बुलंदियां हासिल कर रहा है। कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राए संस्कारवान है तथा देश विदेशों में उच्च पदों को सुशोभित कर विश्वविद्यालय व प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं।इस कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल भी उपस्थित रहे।अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ धर्मराज सिंह ने दिया।इस अवसर पर शिक्षक, अधिकारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 25 नवम्बर • 2022

षि विवि. में सरदार पटेल छात्रावास का लोकार्पण

र (एसएनबी)। सीएसए कृषि द्योगिकी विवि परिसर में राज्य कृषि ा मंडी परिषद उप्र द्वारा नवनिर्मित रुप भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई छात्रावास का लोकार्पण वृहस्पतिवार लाधिपति व प्रदेश की राज्यपाल बेन पटेल, प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा ाशीष पटेल, पूर्व मंत्री व वर्तमान गपुर विधायक नीलिमा कटियार व कुलपति डॉ.डीआर सिंह की ति में संपन्न हुआ।

राज्यपाल ने इस अवसर पर र्यों का आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ महापुरुषों की अवश्य पढ़ें, जिससे उनमें और देश प्रेम की भावना जागृत होगी। कृषि शिक्षा के महत्व को इंगित हुए कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के का ही परिणाम है कि देश में जहां अनाज आयात होता था, आज निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है जो एक सुखद पहलू है। रासायनों के अधिकाधिक प्रयोग से बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने किसानों को मिश्रित खेती कर अधिक लाभ उठाने को प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे पांच प्रकार के व्यंजन स्वयं तैयार कर खायें एवं दूसरों को भी खिलाएं, इससे स्वास्थ में लाभकारी परिणाम मिलेंगे। विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने राज्यपाल सहित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विवि शिक्षा, शोध एवं प्रसार में नित नई बुलंदियां छू रहा है। विभिन्न विषयों पर 10 देशों के संस्थानों के साथ एमओयू किये गये हैं व विवि के छात्रों को दोहा व कतर आदि देशों में भी प्लेसमेंट मिला है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.धर्मराज सिंह ने किया।

हिंदुस्तान 25/11/2022

किसानों से कहा

पराली जलाएं नहीं

कानपुर। मिट्टी की घटती उर्वरकता और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए राज्यपाल ने किसानों से कहा कि पराली या फसल अवशेष न जलाएं। उसे खाद बनाकर मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाएं। छात्रों को भी किताबों के साथ महापुरुषों की जीवनी पढ़ने की नसीहत दी।

सीएसए में गुरुवार को राज्यपाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल छात्रावास का उद्घाटन किया। कहा, वैज्ञानिकों के शोध से देश आत्मनिर्भर बन रहा है। अब अनाज निर्यात किया जा रहा है।

पराली न जलायें किसान, खाद बनाकर मिट्टी की उर्वरकता बढ़ायें

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीएसए में सरदार वल्लभभाई पटेल छात्रावास का लोकार्पण किया

कानपुर 24 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाशभवन के सभागार में आयोजित सरदार वल्लभभाई पटेल छात्रावास का उद्घाटन कार्यक्रम के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहाकि मिट्टी की उर्वरकता घटने के साथ ही प्रदूषण बढ़ रहा है। उन्होंने ने किसानों से पराली या फसल अवशेष न जलाने को कहा है उसे खाद बनाकर मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाने पर जोर दिया। छात्रों को किताबों के साथ महापुरुषों की जीवनी पढ़ने की नसीहत दी, ताकि वे जीवन में अच्छे इंसान बन सके। राज्यपाल ने कहाकि वैज्ञानिकों के शोध से देश आत्मनिर्भर बन रहा है।

किताबों के साथ महापुरुषों की जीवनी पढ़ें विद्यार्थी

पहले अनाज आयात होता था और अब निर्यात किया जा रहा है। देश में जैविक खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। किसानों को कृषि के साथ पशु पालन, डेयरी उत्पादन आदि भी करना चाहिए। गेहूं से दलिया बनाने संयंत्र [illegible] बनाकर महिलाएं स्वावलंबी बन सकती है। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने प्रवेश प्रक्रिया से लेकर 10 देशों के साथ एमओयू के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, विधायक नीलिमा कटियार, डॉ. धर्मराज सिंह, कुलसचिव डॉ. सीएल मौर्या, मौसम वैज्ञानिक डा. एस.एन. पांडे, मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

छात्रावास का लोकार्पण करती राज्यपाल साथ में कुलपति डा. डीआर सिंह।

दैनिक जागरण कानपुर 25/11/2022

सीएसए विश्वविद्यालय में किया छात्रावास का लोकार्पण

राज्यपाल ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नवनिर्मित लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास का भी लोकार्पण किया। राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं के साथ किसानों को स्वावलंबी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले अनाज आयात होता था, आज निर्यात भी हो रहा है। जैविक खेती सुखद पहलू है। किसानों को शहद उत्पादन, मत्स्य पालन, डेयरी उत्पादन, बकरी पालन के प्रति प्रेरित करने की अपील की। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने 10 देशों के साथ समझौता किया है। छात्रों का दोहा व कतर में भी प्लेसमेंट हुआ है। इस दौरान प्राविधिक शिक्षा मंत्री, विधायक नीलिमा कटियार, कुलपति डा. डीआर सिंह भी उपस्थित रहे।

अधिकतम तापमान 24.00° >> न्यूनतम तापमान 14.00° >> सूर्योदय 6:52 >> सूर्यास्त 17:18 >> डॉलर 81.63 >> यूरो

देश का विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-53 | शुक्रवार 25 नवम्बर 2022 | कुल पृष्ठ 16 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता कॉन्क्लेव आयोजित : पेज 16

कृषि वैज्ञानिकों के शोधों का ही परिणाम है कि पहले अनाज आयात होता था आज हो रहा निर्यात : आनंदीबेन

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा नवनिर्मित लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास का लोकार्पण कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा आशीष पटेल मंत्री प्राविधिक शिक्षा, नीलिमा कटियार विधायिका एवं डॉ. डीआर सिंह कुलपति कृषि विश्वविद्यालय की उपस्थिति में लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में महामहिम ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों ने इस ऐतिहासिक कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है और अपना कैरियर कृषि में बनाएं तथा भविष्य में स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर भी बने। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के शोधों का ही परिणाम है कि देश उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। क्योंकि पहले अनाज आयात होता था आज निर्यात हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय व शोध संस्थानों के वैज्ञानिक मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं जो एक सुखद पहलू है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं भी गेहूं से दलिया आदि में मूल्य संबर्द्धन कर आत्मनिर्भर बन रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ महापुरुषों की जीवनी अवश्य पढ़ें। जिससे उनमे और अधिक देश प्रेम की भावना जागृत होगी। कुलपति डॉ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 की प्रवेश प्रक्रिया माह सितंबर- अक्टूबर में संपन्न हो चुकी है तथा नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विभिन्न पहलुओं पर 10 देशों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) कर सफलता हासिल कर रहा है।